Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):- HNC-204

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):- Hindi remmarG & tpircS ,egaugnaL

(हिन्दी भाषा लिपि एवं व्याकरण)

No. of credits (क्रेडिट):- 04 (48 Hours)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisites for the course: (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	हिंदी व्याकरण के सामान्य ज्ञान से परिचित होना अपेक्षित है ।	
Objective (उद्देश्य)	व्याकरण द्वारा विद्यार्थी, हिंदी भाषा के शुद्ध उच्चारण, पठन एवं लेखन से परिचित होंगे । विद्यार्थी देवनागरी लिपि के उद्भव के साथ ही साथ शुद्ध वर्तनी लिखना सीखेंगे और हिंदी भाषा की मानक वर्तनी का ज्ञान प्राप्तकर सकेंगे । हिंदी भाषा शीर्षक के अंतर्गत विद्यार्थी आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं से परिचित हो सकेंगे ।	
Content **(विषयवस्तु)**	1. हिन्दी भाषाः अवधारणा एवं स्वरुप । 2. भारोपीय परिवार विशेषताएं : वर्गीकरण । • भारतीय आर्य भाषा :संक्षिप्त इतिहास। • प्राचीन भारतीय आर्य भाषा वैदिक संस्कृत एवं लोकीक संस्कृत । : • मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएं प्राकृत, पालि एवं अपभ्रंश ।	04 12

	• आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएं । 3. लिपि • देवनागरी लिपि उदभव एवं विकास। : • २ देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता ।. • देवनागरी लिपि का मानकीकरण । 4. व्याकरण • भाषा और व्याकरण • विकारी शब्द - संज्ञा सर्वनाम, विशेषण, क्रिया। • अविकारी शब्द - क्रिया विशेषण, संबंध सूचक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक । • लिंग, वचन, कारक एवं विराम चिह् न । • उपसर्ग, प्रत्यय एवं समास । • मुहावरे और लोकोक्तियाँ ।	10 22
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण, पी.पी.टी प्रस्तुतिकरण, भाषा-प्रयोगशाला ।	
References/readings (संदर्भ ग्रंथ)	1. डॉ.हरदेव बाहरीः व्यावहारिक हिंदी व्याकरण, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,संस्करण 1985 । 2. डॉ.वैंकट शर्माः व्यावहारिक हिंदी व्याकरण, मिनर्वा पब्लिकेशन, जोधपुर संस्करण 2013 । 3. डॉ.शिवाकान्त गोस्वामीः प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्रलेखन,विद्या प्रकाशन, कानपुर, संस्करण 2010 ।	